भारतीय पारंपरिक ज्ञान पत्रिका
खंड 25(9), सितम्बर 2026, पृ. 907-913
DOI: 10.56042/ijtk.v25i9.25700

असम के उत्तरी मैदानी क्षेत्र में दालों के भंडारण के लिए पारंपरिक कीट प्रबंधन प्रथाओं का मूल्यांकन

सारंगा नियोग[क], अभिलाष दाधरा[क], कुलदीप नाथ[क], प्रसांत नियोग[ख] एवं अरूप कुमार शर्मा[ग,*]
[क]भौतिक विज्ञान विभाग, तेज़पुर विश्वविद्यालय, शोणितपुर 784 028, असम, भारत
[ख]विश्वनाथ कृषि महाविद्यालय, असम कृषि विश्वविद्यालय, विश्वनाथ चारियाली 784 176, असम, भारत
[ग]एएयू-क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, असम कृषि विश्वविद्यालय, शिलौंगनी, नगांव 782 002, असम, भारत
[*]ई-मेल: arup.sarma@aau.ac.in

प्राप्त 06 दिसंबर 2025; संशोधित 03 अगस्त 2026; स्वीकृत 12 अगस्त 2026

असम के उत्तरी मैदानी क्षेत्र में गर्म और आर्द्र जलवायु के कारण दालों का सुरक्षित भंडारण एक बड़ी चुनौती है, जो भंडारण कीटों द्वारा अनाज के तेजी से संक्रमण को बढ़ावा देती है। अध्ययन क्षेत्र में किए गए एक सर्वेक्षण के माध्यम से सात पारंपरिक भंडारण प्रथाओं की पहचान की गई, और इनमें से चार प्रथाओं को उड़द, मूंग और अरहर का उपयोग करके मूल्यांकन के लिए चुना गया। दालों को मार्च से अगस्त तक मिट्टी के बर्तनों में पांच उपचारों का उपयोग करके संग्रहीत किया गया था: अनाज को काली मिर्च के पाउडर के साथ मिलाना, अनाज को लकड़ी की राख के साथ मिलाना, बर्तन को केरोसिन-उपचारित कपड़े से ढकना, उनका संयोजन और अनुपचारित नियंत्रण। अरहर में ब्रुचिड्स (दाल के घुन) का संक्रमण बहुत अधिक था, जबकि उड़द और मूंग के मामले में तुलनात्मक रूप से कम था।पारंपरिक प्रथाओं में, अनाज को लकड़ी की राख के साथ मिलाना सबसे प्रभावी पाया गया, जिससे अनाज को क्रमशः मूंग, उड़द और अरहर में 24.6**%**, 17.4**%** और 53.1**%** की सबसे कम भौतिक क्षति और 7.9%, 8.8% और 11.4% का सबसे कम वजन का नुकसान दर्ज किया गया। इसके अलावा, नियंत्रण उपचार की तुलना में इस उपचार के तहत उच्चतम बीज अंकुरण (मूंग में 72% और उड़द में 78%) और सबसे कम राइस मोथ की आबादी दर्ज की गई। चूंकि लकड़ी की राख पर्यावरण के अनुकूल**,** सस्ती और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध है, इसलिए इस क्षेत्र की गर्म और आर्द्र स्थितियों में कटाई के बाद के नुकसान को कम करने और दालों के बीज की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए इसका प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा सकता है।

मुख्य शब्द: आई.टी.के. (पारंपरिक तकनीकी ज्ञान), ब्रुचिड (दाल का घुन), चना, फफूंद (मोल्ड), अरहर, राइस मोथ (चावल का पतंगा)